



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-20] रुड़की, शनिवार, दिनांक 16 फरवरी, 2019 ई0 (माघ 27, 1940 शक सम्वत्) [संख्या-07

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	3075
भाग 1—विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	81-94	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	73-80	1500
भाग 2—आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	07-12	975
भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	—	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-01

अधिसूचना

08 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 2000/XXXI(1)2019-विविध-22/17-उत्तराखण्ड कार्य (बंटवारा) नियमावली, 2003 के नियम-2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तात्कालिक प्रभाव से कार्मिक विभाग, सतर्कता विभाग एवं सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन विभाग को एकीकृत करते हुए "कार्मिक एवं सतर्कता विभाग" के नाम से नया विभाग गठित किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। नवगठित "कार्मिक एवं सतर्कता विभाग" में कुल 06 अनुभाग होंगे, जिसमें कार्मिक विभाग के 04 अनुभाग तथा सतर्कता एवं सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन विभाग के 02 अनुभाग सम्मिलित होंगे।

2. पूर्व में संचालित कार्मिक अनुभाग-01, 02, 03 एवं 04 तथा सतर्कता एवं सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन अनुभाग-01 एवं 02 को नवगठित "कार्मिक एवं सतर्कता विभाग" के अन्तर्गत क्रमशः "कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-01, 02, 03, 04, 05 एवं 06" के नाम से जाना जाएगा।

3. सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जनसेवा विभाग को सचिवालय प्रशासन (अधि०) अनुभाग-01 के आदेश संख्या 591/XXXI(1)/2012, दिनांक 08 अगस्त, 2012 द्वारा आवंटित विभागीय कोड/अनुभागीय कोड को निरस्त करते हुए, उक्तानुसार नवसृजित "कार्मिक एवं सतर्कता विभाग" को विभागीय कोड "XXX" तथा अनुभागीय कोड क्रमशः XXX-1, XXX-2, XXX-3, XXX-4, XXX-5 एवं XXX-6 आवंटित किए जाते हैं।

4. नवसृजित "कार्मिक एवं सतर्कता विभाग" के अन्तर्गत सृजित अनुभागों का कार्य आवंटन पूर्व की भाँति यथावत् रहेगा।

5. उत्तराखण्ड कार्य (बंटवारा) नियमावली, 2003 के अधीन सचिवालय प्रशासन विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या 1093/XXXI(1)/2006, दिनांक 28 अगस्त, 2006 में इस सीमा तक संशोधित समझा जाय।

आज्ञा से,

उत्पल कुमार सिंह,
मुख्य सचिव।

वित्त अनुभाग-8

अधिसूचना

08 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 21/2019/07(100)/XXVII(8)/2018-मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल के संस्तुति पत्र संख्या-201-XIII-f-7/Admin.A/2004, दिनांक 05 जनवरी, 2019 के क्रम में उत्तराखण्ड (उत्तरांचल मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2005) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2007 की धारा-54 की उपधारा (2) (क) एवं उपधारा (4) (क) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राजीव कुमार खुल्बे, 1st Additional District and Session Judge, Dehradun को उनके वर्तमान कर्तव्यों के अतिरिक्त अध्यक्ष, वाणिज्य कर, अधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून के पद पर तैनात किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

राधा रतूड़ी,
अपर मुख्य सचिव।

समाज कल्याण अनुभाग-04

11 जनवरी, 2019 ई0

संख्या 29/XVII-4/2018-01(71)/2008-विभागीय प्रोन्नति चयन समिति की संस्तुति दिनांक 02.01.2019 को स्वीकार करते हुए, श्रीमती वंदना सिंह, उप निदेशक एवं श्री गीताराम नौटियाल, उप निदेशक को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उत्तराखण्ड समाज कल्याण राजपत्रित अधिकारी सेवा नियमावली, 2013 के अधीन समाज कल्याण निदेशालय, हल्द्वानी के अन्तर्गत रिक्त संयुक्त निदेशक, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 7,600 (सातवें वेतनमान के अनुसार वेतन लेवल-12, वेतनमान ₹ 78,800-2,09,200) के पद पर नियमित रूप से पदोन्नत किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उक्त प्रोन्नति अस्थाई है और सम्बन्धित अधिकारी को उत्तराखण्ड समाज कल्याण राजपत्रित अधिकारी सेवा नियमावली, 2013 के नियम-20(1) के अधीन कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष की परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

आज्ञा से,

डा0 रणबीर सिंह,
अपर मुख्य सचिव।**ग्राम्य विकास अनुभाग-3****नियुक्ति/विज्ञप्ति**

09 जनवरी, 2019 ई0

संख्या 18/XI(3)/2019/53(86)2012/Vol-1-उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार द्वारा चयनित/संस्तुत निम्न अभ्यर्थियों को प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी (पंचायत/सांख्यिकी) के पद पर वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन-₹ 5,400 (सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान ₹ 56,100-1,77,500, लेवल-10) के अनुसार कॉलम-4 में अंकित प्रसार प्रशिक्षण केन्द्रों में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थाई रूप से नियुक्त करते हुए दो वर्ष के परीक्षाकाल पर तैनात करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र0 सं0	अभ्यर्थी का नाम	गृह जनपद	तैनाती का जनपद/संस्थान
1	2	3	4
1.	श्री किशोर सिंह परिहार, प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी (पंचायत)	बागेश्वर	प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, पौड़ी
2.	श्री अतुल नैथानी, प्रसार प्रशिक्षण अधिकारी (सांख्यिकी)	देहरादून	प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, थरकोट, पिथौरागढ़

2. उक्त अभ्यर्थियों की पारस्परिक ज्येष्ठता बाद में कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अधीन प्रसारित सामान्य नियमों/नियमावलियों के अन्तर्गत निर्धारित की जायेगी।

3. नियुक्त अभ्यर्थियों को उक्त वेतनमान के अतिरिक्त शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते भी देय होंगे।

4. उक्त नियुक्ति अभ्यर्थियों के पूर्ववृत्त तथा चरित्र प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के सकारात्मक होने के प्रतिबन्ध के अधीन की जा रही है। पूर्ववृत्त तथा चरित्र प्रमाण पत्रों के सत्यापन के सकारात्मक न होने पर सेवाएँ तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जायेंगी।

5. उक्त नवनियुक्त अभ्यर्थियों द्वारा सम्बन्धित जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी के यहाँ निम्न प्रमाण-पत्रों के साथ योगदान सूचना प्रस्तुत की जायेगी:-

- (1) अपनी चल-अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित घोषणा-पत्र।
- (2) विवाहित होने की स्थिति में एक से अधिक जीवित पत्नी/पति होने का घोषणा-पत्र।
- (3) शैक्षिक योग्यता एवं चरित्र प्रमाण-पत्र।
- (4) दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र।

6. उक्त नवनियुक्त अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण करने हेतु की गई यात्रा के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

आज्ञा से,
मनीषा पंवार,
प्रमुख सचिव।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

अधिसूचना

(प्रोन्नति/तैनाती)

09 जनवरी, 2019 ई0

संख्या 42/VII-3-19/457-उद्योग/2002 टी0सी0 1-एतद्वारा उद्योग विभाग के अन्तर्गत सहायक निदेशक/प्रबन्धक-उद्योग के पद पर तैनात श्री मृत्युंजय सिंह को "उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश उद्योग सेवा नियमावली, 1993) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002" के आलोक में उनसे आसन्न कनिष्ठ श्री अनुपम द्विवेदी, के उप निदेशक के पद पर पदोन्नति की तिथि 15.06.2016 से उप निदेशक/महाप्रबन्धक (वेतनमान ₹ 67,700-2,08,700, लेबल-11) के पद पर प्राकल्पिक पदोन्नति करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उपरोक्तानुसार प्राकल्पिक रूप से पदोन्नत श्री मृत्युंजय सिंह को वेतन संबंधी लाभ, उनकी वास्तविक पदोन्नति तिथि/उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से ही देय होंगे, परन्तु अन्य सेवा संबंधी लाभ हेतु समयावधि की गणना दिनांक 15.06.2016 से की जायेगी।

3. श्री मृत्युंजय सिंह को पदोन्नति उपरान्त निर्धारित 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जाता है।

4. उक्त पदोन्नति के फलस्वरूप पदोन्नत अधिकारी श्री मृत्युंजय सिंह को महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) में तत्काल प्रभाव से तैनात किया जाता है।

5. संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि वे नवीन तैनाती स्थल पर अविलम्ब कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें।

6. ये आदेश तत्काल प्रभावी होंगे।

आज्ञा से,
मनीषा पंवार,
प्रमुख सचिव।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले अनुभाग-1**अधिसूचना**

16 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 69/2019-XIX-1/16 खाद्य/2012-विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 की धारा 14 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अ०शा०प०सं० 1303/XXX-1-2018, दिनांक 29 दिसम्बर, 2018 के क्रम में श्री सुशील कुमार, प्रभारी सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, उत्तराखण्ड को एतद्वारा नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उत्तराखण्ड नियुक्त किया जाता है।

आनन्द बर्द्धन,

प्रमुख सचिव।

चिकित्सा अनुभाग-2**अधिसूचना**

22 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 2014/XXVIII-2/01(39)2018-चूँकि, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है,

अतएव, श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश अति आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम, 1966 (उ०प्र० अधिनियम संख्या-30, वर्ष 1966) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके तत्काल प्रभाव से छः माह की अवधि के लिए उत्तराखण्ड राज्य के राजकीय चिकित्सालयों में कार्यरत समस्त चिकित्सकों एवं राज्य के समस्त चिकित्सा कार्मिकों की समस्त सेवाओं को अत्यावश्यक सेवाएँ घोषित करते हुए, उनकी हड़ताल आदि को निषिद्ध करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।**श्रम अनुभाग****नियुक्ति/तैनाती**

26 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 1669/VIII/18-02(ई०एस०आई०)/2006-उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड द्वारा, कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत वेतनबैण्ड-3, सादृश्य वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 5,400/- (सातवें वेतनमान ₹ 56,100-1,77,500, लेवल-10) में चिकित्साधिकारी (एलोपैथिक) के पद हेतु संस्तुत, डॉ० आस्था भण्डारी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चिकित्साधिकारी, एलोपैथिक के पद पर अस्थाई रूप से निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन नियुक्त कर, निम्न तालिका के कॉलम-6 में अंकित स्थान पर तैनात किए जाने की महामहिम राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	चयनित चिकित्साधिकारी का नाम	गृह जनपद	स्थाई पता	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थान
1	2	3	4	5	6
1.	डॉ० आस्था भण्डारी पत्नी श्री मनीष रावत	चमोली	58, जाखन शिवम विहार, राजपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड-248001	58, जाखन शिवम विहार, राजपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड-248001	क०रा०बी०आई०, कारगी, देहरादून

- (1) यदि डॉ० आस्था मण्डारी के चरित्र सत्यापन एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन के पश्चात् चरित्र एवं पूर्ववृत्त सेवा में नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति/सेवा उत्तराखण्ड अस्थाई सरकारी सेवक (सेवा समाप्ति) नियमावली, 2003 के प्राविधानों के अनुसार निरस्त/समाप्त कर दी जायेगी।
- (2) संबंधित अभ्यर्थी द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र प्रस्तुत किया जायेगा कि यदि चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन की रिपोर्ट एवं अन्य जाति प्रमाण-पत्र अथवा स्थाई निवास प्रमाण-पत्र के सत्यापनोपरान्त कोई प्रतिकूल तथ्य संज्ञान में आता है तो उनका नियुक्ति आदेश निरस्त किए जाने की कार्यवाही की जायेगी और इस संबंध में उनका कोई भी दावा स्वीकार्य नहीं होगा।
- (3) सम्बन्धित अभ्यर्थी का स्वास्थ्य परीक्षण, मण्डलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जायेगा और उक्त बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किए जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण करने दिया जायेगा। अभ्यर्थी अपने नियुक्ति-पत्र सहित अपनी तैनाती के अपर मण्डलीय निदेशक द्वारा मण्डलीय मेडिकल बोर्ड से वांछित परीक्षण कराकर, अभ्यर्थी का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र संबंधित अधिकारी को उपलब्ध करा दिया जायेगा, किन्तु मेडिकल बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किए गए अभ्यर्थी का प्रकरण राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड से स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने हेतु शासन को संदर्भित किया जायेगा।
- (4) नियुक्त किए जा रहे चिकित्साधिकारी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ते तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे। उत्तराखण्ड सरकार, चिकित्सक (एलोपैथिक) प्राइवेट प्रैक्टिस पर उत्तर प्रदेश निर्बन्धन नियमावली, 1983 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के अन्तर्गत प्राइवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।
- (5) सम्बन्धित अभ्यर्थी को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायेगा, जिसे यथास्थिति राज्य सरकार के नियमानुसार बढ़ाया भी जा सकता है।
- (6) सम्बन्धित नवनियुक्त अभ्यर्थी 01 माह के अन्दर अपने पद का कार्यभार अवश्य ग्रहण कर लें। इस अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती हेतु निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा, उत्तराखण्ड, देहरादून के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर (8) में अंकित सभी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि वे इस अवधि के भीतर अपनी तैनाती हेतु निदेशक को अपनी योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त हो जायेगा।
- (7) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु अभ्यर्थी को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता आदि देय नहीं होगा।
- (8) अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे:-
 - (I) अभियोजन न चलाये जाने तथा न्यायालय द्वारा दण्डित न किए जाने के संबंध में एक घोषणा-पत्र।
 - (II) उत्तराखण्ड मेडिकल काउन्सिल द्वारा किए गए स्थाई रजिस्ट्रेशन की दो प्रतियाँ।
 - (III) ओथ एलिजियन्स का प्रमाण-पत्र।
 - (IV) सीक्रेट एक्ट की जानकारी होने का प्रमाण-पत्र।
 - (V) चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
 - (VI) लिखित रूप से एक अन्डरटेकिंग कि यदि चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन के पश्चात् उन्हें सरकारी सेवा के लिए उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी, जिसके लिए वह किसी क्षतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।
 - (VII) एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का घोषणा-पत्र।
 - (VIII) गढ़वाल/कुमायूँ के मण्डलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण-पत्र।

(IX) शैक्षिक योग्यता, आयु, स्थाई निवासी एवं जाति से संबंधित प्रमाण-पत्रों की एक-एक प्रमाणित प्रतियाँ एवं उनके सत्यापन हेतु समस्त मूल प्रमाण-पत्र।

(X) दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र जो सक्रिय सेवा में हो और उनके निजी जीवन से पूर्णरूप से परिचित हो किन्तु उनके सम्बन्धी या रिश्तेदार न हों।

(XI) केन्द्र/राज्य सरकार के अधीन की गई सेवाओं का अद्यतन घोषणा-पत्र।

2. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत तैनात किए जा रहे अभ्यर्थी की पारस्परिक ज्येष्ठता उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से प्राप्त योग्यता वरिष्ठता क्रम के आधार पर इस संबंध में प्रभावी नियमों के आधार पर अवधारित की जायेगी।

आज्ञा से,
हरबंस सिंह चुघ,
सचिव।

गृह अनुभाग-1

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 1049/XX(1)-2018-2(30)2004-भारतीय पुलिस सेवा, उत्तराखण्ड संवर्ग के निम्नलिखित आई०पी०एस० अधिकारियों को पुलिस महानिरीक्षक (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-14) के पद पर सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक 01 जनवरी, 2019 से एतद्द्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम एवं बैच वर्ष
1.	श्री पुष्पक ज्योति, आई०पी०एस०-एस०पी०एस० 2001
2.	श्री अजय रौतेला, आई०पी०एस०-एस०पी०एस० 2001

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 1050/XX(1)-2018-2(30)2004-भारतीय पुलिस सेवा, उत्तराखण्ड संवर्ग के निम्नलिखित आई०पी०एस० अधिकारियों को पुलिस उप महानिरीक्षक (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-13A) के पद पर सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक 01 जनवरी, 2019 से एतद्द्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम एवं बैच वर्ष
1.	सुश्री रिधिम अग्रवाल, आई०पी०एस०-आर०आर० 2005
2.	सुश्री नीरू गर्ग, आई०पी०एस०-आर०आर० 2005
3.	श्री कृष्ण कुमार वी०के०, आई०पी०एस०-आर०आर० 2005
4.	श्री मुख्तार मोहसिन, आई०पी०एस०-आर०आर० 2005
5.	श्री नीलेश आनन्द भरणे, आई०पी०एस०-आर०आर० 2005 (प्रोफार्मा पदोन्नति)
6.	श्री जगत राम जोशी, आई०पी०एस०-एस०पी०एस० 2005
7.	श्री करन सिंह नगन्याल, आई०पी०एस०-एस०पी०एस० 2005

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई0

संख्या 1051/XX(1)-2018-2(30)2004-भारतीय पुलिस सेवा, उत्तराखण्ड संवर्ग के निम्नलिखित आई0पी0एस0 अधिकारियों को चयन (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-13) के पद पर सम्यक् विचारोपरान्त दिनांक 01 जनवरी, 2019 से एतद्द्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र0 सं0	अधिकारी का नाम एवं बैच वर्ष
1.	सुश्री स्वीटी अग्रवाल, आई0पी0एस0-आर0आर0 2006
2.	श्री अरुण मोहन जोशी, आई0पी0एस0-आर0आर0 2006
3.	श्री अनन्त शंकर ताकवाले, आई0पी0एस0-आर0आर0 2006 (प्रोफार्मा पदोन्नति)
4.	श्री राजीव स्वरूप, आई0पी0एस0-आर0आर0 2006
5.	श्री रोशन लाल शर्मा, आई0पी0एस0-आर0आर0 2006

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई0

संख्या 1055/XX(1)-2018-3(7)2006-उत्तराखण्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा के अपर पुलिस अधीक्षक श्रेणी-2 में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक श्रेणी-1, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 7,600/- (यथापुनरीक्षित) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र0 सं0	अधिकारी का नाम
1.	श्री प्रमेन्द्र सिंह डोबाल
2.	सुश्री कमलेश उपाध्याय

2. पदोन्नत किये जाने वाले कार्मिकों को उनके कार्यभार ग्रहण किए जाने की तिथि से 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पुलिस सेवा नियमावली, 2009 के नियम-24 में प्रावधान है।

3. उक्तानुसार पदोन्नत अधिकारियों के स्थानान्तरण/तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किए जायेंगे।

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई0

संख्या 1056/XX(1)-2018-3(7)2006-उत्तराखण्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा के पुलिस उपाधीक्षक, ज्येष्ठ वेतनमान में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक श्रेणी-2, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 6,600/- (यथापुनरीक्षित) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र0 सं0	अधिकारी का नाम
1.	श्री उत्तम सिंह नेगी
2.	श्री स्वप्न किशोर सिंह
3.	श्री राजेश कुमार भट्ट
4.	सुश्री मनीषा जोशी

2. पदोन्नत किये जाने वाले कार्मिकों को उनके कार्यभार ग्रहण किए जाने की तिथि से 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पुलिस सेवा नियमावली, 2009 के नियम-24 में प्रावधान है।
3. उक्तानुसार पदोन्नत अधिकारियों के स्थानान्तरण/तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किए जायेंगे।

विज्ञप्ति/पदोन्नति

29 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 1057/XX(1)-2018-2(30)2004-भारतीय पुलिस सेवा, उत्तराखण्ड संवर्ग के आई०पी०एस० अधिकारी, श्री नारायण सिंह नपलव्याल, आई०पी०एस०-एस०पी०एस० 2005 को पुलिस उप महानिरीक्षक (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-13A) के पद पर सम्यक् विचारोपरांत दिनांक 01 जनवरी, 2019 से एतद्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

विज्ञप्ति/पदोन्नति

31 दिसम्बर, 2018 ई०

संख्या 1059/XX(1)-2018-2(25)2004-भारतीय पुलिस सेवा, उत्तराखण्ड संवर्ग के निम्नलिखित आई०पी०एस० अधिकारियों को अपर पुलिस महानिदेशक (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-15) के पद से महानिदेशक स्तर के निःसंवर्गीय पदों (वेतन मैट्रिक्स में स्तर-16) पर सम्यक् विचारोपरांत तत्काल प्रभाव से एतद्वारा पदोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम एवं बैच वर्ष
1.	श्री अशोक कुमार, आई०पी०एस०-आर०आर० 1989
2.	श्री राम सिंह मीणा, आई०पी०एस०-आर०आर० 1989

2. कृपया सम्बन्धित अधिकारी उक्त पद का कार्यभार तत्काल ग्रहण करने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।

गृह अनुभाग-05

अधिसूचना

21 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 944/XX(5)/19-18(अर्द्ध०सै०/बल)2017-राज्यपाल, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30, वर्ष 2013) की धारा 11 की उपधारा (1) तथा धारा 40 की उपधारा (4) के अधीन जारी की गई अधिसूचना संख्या-183/XX(5)/18-18 (अर्द्ध०सै०/बल)/2017, दिनांक 09.03.2018 के क्रम में उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (1) के अधीन यह घोषणा करते हैं कि नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि की लोक प्रयोजनार्थ जिला पिथौरागढ़ के ग्राम-कालिका (छारछुम) में सशस्त्र सीमा बल की 11वीं वाहिनी, डीडीहाट की सीमा चौकी छारछुम की स्थापना हेतु 0.285 हे० निजी भूमि की आवश्यकता है। अतः पिथौरागढ़ के कलेक्टर को निर्देश देते हैं कि उक्त भूमि का अर्जन करने की कार्यवाही करें।

चूँकि, राज्यपाल का यह समाधान हो गया है कि यह मामला अत्यावश्यक है, इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 40 की उपधारा (4) के अधीन राज्यपाल अग्रेतर यह भी निर्देश देते हैं कि यद्यपि धारा 23 के अधीन कोई अधिनिर्णय नहीं दिया गया है, तथापि उक्त लोक प्रयोजनार्थ पिथौरागढ़ के कलेक्टर धारा 21 की उपधारा (1) में उल्लिखित सूचना के प्रकाशन से 15 दिन के अवसान पर अग्रसारित अनुसूची में उल्लिखित भूमि पर कब्जा ले सकते हैं:-

—अनुसूची—

जिला	तहसील	ग्राम	प्लॉट संख्या	क्षेत्रफल (हे०)
1	2	3	4	5
पिथौरागढ़	धारचूला	कालिका (छारछुम)	16612म०	0.100
			16613	0.026
			16614	0.020
			16615म०	0.030
			16616	0.039
			16618म०	0.070
			योग—06	0.285

टिप्पणी—भूमि का क्षेत्रफल व अन्य विवरण कलेक्टर, पिथौरागढ़ के कार्यालय में हितबद्ध व्यक्ति द्वारा देखा जा सकता है।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification **No. 944/XX(5)/19-18(Para. Military force)/2017**, Dehradun, Dated January 21, 2019 for general information.

NOTIFICATION

January 21, 2019

No. 944/XX(5)/19-18(Para. Military force)/2017--In order of notification No. 183/XX(5)/18-18 (Para military force)/2017, Dated 09.03.2018, issued by Home Section-5 under sub-section (1) of Section 11 and sub-section (4) of Section 40 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Act, 2013 (Act No. 30 of 2013), the Governor is pleased to declare under sub-section (1) of section 19 of the said Act that the land mentioned in the Schedule below is needed for public purposes for establishment of the New Border Post Charchum of 11th BN SSB 0.285 hect. private land in village Kalika (Charchum) Distt. Pithoragarh. Therefore, directs the Collector of District Pithoragarh to take action for acquiring the said land.

Whereas, the Governor is being satisfied that this matter is of urgency, therefore the Governor further directs under sub-section (4) of Section 40 of the said Act that though no award under Section 23 has been made, the Collector, Pithoragarh may, on the expiration of 15 days from the publication of the notice under sub-section (1) of section 21, take possession on the said land mentioned in the Schedule below for the said public purposes.

- SCHEDULE -

District	Tehshil	Gram	Plot No.	Area (Hect.)
1	2	3	4	5
Pithoragarh	Dharchula	Kalika (Charchum)	16612म०	0.100
			16613	0.026
			16614	0.020
			16615म०	0.030
			16616	0.039
			16618म०	0.070
		Total	06	0.285

Note :-Area of the land and other details may be seen by the interested person in the office of Collector, Pithoragarh.

By Order,

NITESH KUMAR JHA,
Secretary.

चिकित्सा अनुभाग-3

अधिसूचना

09 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 53/XXVIII-3-2019-100/2009(टी०सी०-6)-खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा-70 के प्राविधानानुसार देहरादून में स्थापित अपीलीय अधिकरण में श्री सी० पी० बिजल्लाण, रजिस्ट्रार, पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल, देहरादून के खाद्य सुरक्षा अपीलीय अधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून में पीठासीन अधिकारी के दायित्व के निर्वहन हेतु अतिरिक्त प्रभार प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त अधिसूचना रजिस्ट्रार जनरल, मा० उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल के पत्र संख्या-248/UHC/XIII-b-3/Admin.A/2012, दिनांक 08.01.2019 के अनुक्रम में निर्गत की जा रही है।

आज्ञा से,

नितेश कुमार झा,
सचिव।

शहरी विकास अनुभाग-3

अधिसूचना

17 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 135/IV(3)/2019-57(सा०)/2006-उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959) की धारा-28 के प्राविधानों के क्रम में देहरादून नगर निगम के वार्ड सं०-61, आमवाला तरला में आरक्षित (अनुसूचित जाति महिला) श्रेणी से विजयी प्रत्याशी श्रीमती रीता रानी पत्नी श्री कृष्ण कुमार का अनुसूचित जाति प्रमाण-पत्र निरस्त हो जाने के कारण स्थानीय नागर निकाय सामान्य निर्वाचन-2018 के पश्चात् वार्ड सं०-61, आमवाला तरला के पार्श्व पद को एतद्वारा आकस्मिक रूप से रिक्त घोषित किया जाता है।

शैलेश बगौली,
सचिव।

कार्मिक अनुभाग-1**विज्ञप्ति**

01 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 02/XXX-1-18-15(16)/2015-जिलाधिकारी, हरिद्वार के पत्र संख्या-6076/एस0पी0ओ0-2018, दिनांक 30.11.2018 के माध्यम से प्रेषित सुश्री नूपुर वर्मा, पी0सी0एस0, डिप्टी कलेक्टर, हरिद्वार के दिनांक रहित अनुरोध पत्र तथा शासनादेश संख्या-3497/III-500(5)-46, दिनांक 06.11.1946 के प्राविधानों के क्रम में उनके सेवा अभिलेखों में अंकित स्थाई निवास का पता ग्राम/मौहल्ला भूमिया नगर, सलेमपुर राजपुतान, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार के स्थान पर 379, लद्दावाला, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश परिवर्तित किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,
श्याम सिंह,
संयुक्त सचिव।

गृह अनुभाग-01**विज्ञप्ति/पदोन्नति**

01 जनवरी, 2019 ई०

संख्या 1065/XX-1-2019-3(12)/2014-उत्तराखण्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग के पुलिस उपाधीक्षक, कनिष्ठ वेतनमान (पे मैट्रिक्स में लेवल-10) के पद पर प्रोन्नति कोटे की चयन वर्ष 2018-19 की रिक्तियों के सापेक्ष उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल महोदय, निम्नलिखित स्थाई पुलिस निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक, कनिष्ठ वेतनमान के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नत करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम
1.	श्री प्रदीप मधुकर गोडबोले
2.	श्री उत्तम सिंह जिमवाल
3.	श्री अनिल कुमार जोशी

2. उक्त स्थाई पुलिस निरीक्षकों की पदोन्नति पुलिस उपाधीक्षक, कनिष्ठ वेतनमान के पद पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है:-

1. उक्तानुसार पदोन्नत किए जाने वाले कार्मिकों को उनके कार्यभार ग्रहण किए जाने की तिथि से 02 वर्ष की परीक्षा काल पर रखा जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पुलिस सेवा नियमावली, 2009 के नियम-24 में प्रावधान है।
2. उक्तवत् पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों की ज्येष्ठता उक्त सेवा में पूर्व से नियुक्त किए गए तथा नियुक्त किए जाने वाले अन्य अभ्यर्थियों के साथ कालान्तर में सुसंगत नियमों के अनुसार निर्गत की जायेगी।
3. पदोन्नति के उपरान्त भी पदोन्नत किए जा रहे कार्मिकों के सम्बन्ध में यदि कोई प्रतिकूल तथ्य भविष्य में प्रकाश में आता है तो ऐसे कार्मिकों की पदोन्नति तात्कालिक प्रभाव से निरस्त कर दी जायेगी।

विज्ञप्ति/पदोन्नति

01 जनवरी, 2019 ई0

संख्या 1066/XX(1)-2019-3(7)/2006-उत्तराखण्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग के पुलिस उपाधीक्षक, ज्येष्ठ वेतनमान में कार्यरत श्री राजीव मोहन को अपर पुलिस अधीक्षक, ग्रेणी-2, वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 6,600/- (यथापुनरीक्षित) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रोन्नति प्रदान किए जाने की श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्तवत् पदोन्नत अधिकारी को उनके कार्यभार ग्रहण किए जाने की तिथि से 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा, जैसा कि उत्तराखण्ड पुलिस सेवा नियमावली, 2009 के नियम-24 में प्रावधान है।

3. उक्तानुसार पदोन्नत अधिकारी के स्थानान्तरण/तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किए जायेंगे।

आज्ञा से,

ओमकार सिंह,
संयुक्त सचिव।कार्यभार मुक्त प्रमाण-पत्र

10 जनवरी, 2019 ई0

पत्रांक संख्या 01/XXXVI/न्याय विभाग/2019-प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा अपर सचिव, न्याय एवं अपर विधि परामर्शी, उत्तराखण्ड शासन का कार्यभार दिनांक 10.01.2019 से दिनांक 18.01.2019 तक (दिनांक 19 एवं 20 जनवरी को सफिक्स करते हुए) उपार्जित अवकाश (एल0टी0सी0 हेतु) उत्तराखण्ड शासन के कार्मिक अनुभाग-4 के आदेश संख्या 398/XXX(4)/2018-04(12)/2016, दिनांक 17 दिसम्बर, 2018 की स्वीकृति के फलस्वरूप आज दिनांक 09.01.2019 को कार्यालय समय उपरान्त छोड़ा गया।

प्रतिहस्ताक्षरित

डी0 पी0 गैरोला,
प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन।रीतेश कुमार श्रीवास्तव,
अपर सचिव न्याय एवं अपर विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन।नियोजन अनुभाग-2कार्यालय ज्ञाप

10 दिसम्बर, 2018 ई0

संख्या 200/XXVI/दो(15)/2014-तात्कालिक प्रभाव से श्री जीवन चन्द्र चन्दोला, कार्टोग्राफिक, असिस्टेन्ट, अर्थ एवं संख्या विभाग, उत्तराखण्ड को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक दिनांक 26.10.2018 द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर चीफ कार्टोग्राफर के पद वेतनमान ₹ 15,600-39,100, ग्रेड वेतन ₹ 5,400 पर अस्थाई रूप से पदोन्नति प्रदान किए जाने की राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. श्री चन्दोला को संगत नियमावली में उल्लिखित प्राविधानों नियमानुसार 02 वर्ष की परीक्षा में रखा जाता है।

3. श्री चन्दोला को अर्थ एवं संख्या निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून में चीफ कार्टोग्राफर के रिक्त पद के सापेक्ष तैनात किया जाता है।

आज्ञा से,

डा0 रंजीत कुमार सिन्हा,
प्रमारी सचिव।

सचिवालय प्रशासन (अधि0) अनुभाग-1

प्रोन्नति/विज्ञप्ति

07 जनवरी, 2019 ई0

संख्या 32/XXXI(1)/2019/पदो0-03/2017-उत्तराखण्ड सचिवालय संवर्ग के अन्तर्गत समीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत निम्नलिखित कार्मिकों को नियमित चयनोपरान्त अनुभाग अधिकारी, वेतनमान लेवल-10 (वेतनमान ₹ 56,100-₹ 1,77,500) के रिक्त पद पर कार्यभार ग्रहण किए जाने की तिथि से अस्थाई रूप से पदोन्नत करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) श्री धीरज कुमार
- (2) श्री अरुण कुमार सिंह
- (3) श्रीमती आशा कण्डपाल
- (4) श्री सुनील कुमार राय
- (5) श्री बसन्त बल्लभ जोशी
- (6) श्री प्रदीप कुमार (दिव्यांग श्रेणी के अन्तर्गत चलन क्रिया में)

2. उक्त अनुभाग अधिकारियों को 01 वर्ष की विहित परीक्षा पर रखा जाता है।

3. उक्त प्रोन्नति मा0 उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल में योजित रिट याचिका संख्या 1997/2013 (एस/एस), धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी व अन्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 146 एस0बी0/2014, दिनेश कुमार व अन्य बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य एवं मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या 22122/2013, सुनील कुमार मिश्रा बनाम उत्तराखण्ड राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णयों के अधीन की जा रही है।

4. उक्त पदोन्नत अनुभाग अधिकारियों की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किए जायेंगे।

5. उक्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे सचिवालय प्रशासन (अधि0) अनुभाग-01 में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण करने का कष्ट करें।

आज्ञा से,
इन्दुधर बौड़ाई,
प्रभारी सचिव।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 16 फरवरी, 2019 ई0 (माघ 27, 1940 शक सम्वत्)

भाग 1—क

नियम, कार्य—विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

January 25, 2019

No. 62/UHC/XIV-a/25/Admin.A/2016—Ms. Bushra Kamal, the then Civil Judge (Jr. Div.), Rudrapur, District-Udham Singh Nagar, presently posted as 2nd Additional Civil Judge (Jr. Div.), Nainital is hereby sanctioned maternity leave for 180 days w.e.f. 19.06.2018 to 15.12.2018 with permission to suffix 16.12.2018 as Sunday holiday.

By Order of the Court,

Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

January 30, 2019

No. 63/XIV-95/Admin.A/2003—Ms. Kusum, Chief Judicial Magistrate, Udham Singh Nagar is hereby sanctioned earned leave for 10 days w.e.f. 10.01.2019 to 19.01.2019 with permission to suffix 20.01.2019 as Sunday holiday.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

OFFICE OF THE DISTRICT JUDGE, PITHORAGARH

CHARGE-CERTIFICATE

November 01, 2018

Endorsement no. 608/I-08-2018—Certified that the office of Civil Judge (Sr. Div.), Pithoragarh was taken over after availing the earned leave w.e.f. 20.10.2018 to 31.10.2018 with permission to prefix 17.10.2018 to 19.10.2018 as local holiday & Dussehra holidays sanctioned vide Hon'ble High Court's letter no. 4664/XIV-a/39-Admin.A/2012, dated October 06, 2018, as hereinafter denoted, in the forenoon of 01.11.2018.

SWETA PANDEY,
Civil Judge (Sr. Div.),
Pithoragarh.

Counter-signed
(Illegible)
District Judge,
Pithoragarh.

CERTIFICATE OF HANDING OVER CHARGE

November 01, 2018

Endorsement no. 610/I-08-2018—Certified that the office of the Civil Judge (Sr. Div.), Pithoragarh was transferred under the orders of Government of Uttarakhand, Dehradun and Hon'ble High Court of Uttarakhand, Nainital vide D. O. No. 1029/XXX-1-2018, dated 17.10.2018 of Personnel Section-1, Government of Uttarakhand, Dehradun and Hon'ble High Court's letter no. 4919/XIII-f-2/Admin.A/2004, dated 24.10.2018; respectively, as hereinafter denoted, in the afternoon of 01.11.2018.

SWETA PANDEY,
Civil Judge (Sr. Div.),
Pithoragarh.

Counter-signed
(Illegible)
District Judge,
Pithoragarh.

कार्यालय—आयुक्त राज्य कर, उत्तराखण्ड

(फार्म—अनुभाग)

विज्ञप्ति

23 जनवरी, 2018 ई०

पत्रांक 8068/आयुक्त राज्य कर/उत्तरा०/फार्म—अनु०/2018—19/आ०घो०प०/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून—उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर नियमावली, 2005 के नियम—30(12) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, अपर आयुक्त, राज्य कर, उत्तराखण्ड अग्रसारित सूची में उल्लिखित प्रान्तीय प्रपत्र फार्म—16, जिनके खो जाने/चोरी हो जाने/मिसिंग हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम—30 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ—

क्र० सं०	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/स्टैम्प की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/स्टैम्प की सीरीज व क्रमांक	फार्म/स्टैम्प को अवैध घोषित किए जाने का कारण
1.	सर्वश्री जे०बी० मार्बल, जी०एम०एस० रोड, कांवली, देहरादून, टिन-05000886896	प्रारूप-XVI (07)	U.K. VAT-M 2012- 5018938, 7152636, 7152628, 7152629, 7152687, 7152693, 1659361	खोने के कारण

विपिन चन्द्र,
अपर आयुक्त राज्य कर,
मुख्यालय, देहरादून।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन, ऊधमसिंह नगर

कार्यालय आदेश

09 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक 38/टी०आर०/पंजी०नि०/UP01-3488/2019-वाहन संख्या UP01-3488 (TRUCK), मॉडल 1997, चेसिस संख्या 35357616MTQ845542 तथा इंजन नं० 497SP21MTQ482382, कार्यालय में श्री रेहान हुसैन पुत्र श्री नबाब हुसैन, निवासी लांबाखेड़ा, खानपुर, रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन पुराना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 31.03.2019 तक जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, पूजा नयाल, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UP01-3488 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 35357616MTQ845542 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

कार्यालय आदेश

09 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक 39/टी०आर०/पंजी०नि०/DL1LE-1206/2019-वाहन संख्या DL1LE-1206 (TRUCK), मॉडल 2001, चेसिस संख्या 357124HYZ811549 तथा इंजन नं० 497SPTC31GYZ882061, कार्यालय में श्री मौ० यास पुत्र श्री रुस्तम, निवासी म०नं० 115, लांबाखेड़ा, गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन पुराना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 31.03.2019 तक जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, पूजा नयाल, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या DL1LE-1206 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 357124HYZ811549 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

कार्यालय आदेश

09 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक 40/टी०आर०/पंजी०नि०/DL1LD-7083/2019—वाहन संख्या DL1LD-7083 (TRUCK), मॉडल 2000, चेसिस संख्या 357122GZZ816734 तथा इंजन नं० 497SPTC31GZZ749111, कार्यालय में श्री इंतजार अली पुत्र श्री अफसार अली, निवासी नरपत नगर, लांबाखेड़ा, गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन पुराना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 28.02.2019 तक जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, पूजा नयाल, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या DL1LD-7083 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 357122GZZ816734 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

कार्यालय आदेश

09 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक 78/टी०आर०/पंजी०नि०/UK06CB-0718/2019—वाहन संख्या UK06CB-0718 (TRUCK), मॉडल 1991, चेसिस संख्या 364052541203 तथा इंजन नं० 692D02510994, कार्यालय में श्री कमल सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी जवाहर नगर, नगला डेरी फार्म, किच्छा, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन पुराना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 28.02.2019 तक जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, पूजा नयाल, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UK06CB-0718 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 364052541203 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

कार्यालय आदेश

09 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक 79/टी०आर०/पंजी०नि०/UK06CA-8578/2019—वाहन संख्या UK06CA-8578 (TRUCK), मॉडल 2008, चेसिस संख्या 386533MUZ832086 तथा इंजन नं० 497TC93MUZ913905, कार्यालय में श्री गीरीश तयाल पुत्र श्री बी०आर० तयाल, निवासी डी2-1/34, बीएचकेटीएस थर्ड फ्लोर, मैट्रोपोलिस सीटी, रूद्रपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने आवेदन पत्र के साथ वाहन का मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन पुराना होने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गया है, जो मार्ग में संचालित करने योग्य नहीं है। वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। सम्भागीय निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार वाहन मार्ग में चलने योग्य नहीं है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 28.02.2019 तक जमा है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, पूजा नयाल, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UK06CA-8578 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 386533MUZ832086 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

पूजा नयाल,
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
रूद्रपुर, ऊधमसिंह नगर।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत)**आदेश**

20 दिसम्बर, 2018 ई0

पत्रांक 1179/पंजीयन निरस्त/2018-19-वाहन संख्या UP29-1085 (HGV), मॉडल 2000, चेसिस 373043CZZ002765, इंजन नं0 697D21BZZ105470, इस कार्यालय अभिलेखानुसार श्री हेमेश खर्कवाल पुत्र श्री पी0डी0 खर्कवाल, निवासी मोहनपुर, टनकपुर, जिला चम्पावत के नाम पंजीकृत है। दिनांक 06.11.2018 को वाहन स्वामी द्वारा वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु (क्योंकि वाहन चलने योग्य नहीं है) आवेदन किया गया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चैक चालान लम्बित नहीं है। सीनियर फोरमैन (उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर) की आख्यानुसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर, जमा कर लिया गया है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, रश्मि भट्ट, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत), केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 20.12.2018 को वाहन संख्या UP29-1085 (HGV), मॉडल 2000, चेसिस 373043CZZ002765, इंजन नं0 697D21BZZ105470 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

आदेश

20 दिसम्बर, 2018 ई0

पत्रांक 1180/पंजीयन निरस्त/2018-19-वाहन संख्या UK03TA0442 (MOTOR CAB), मॉडल 2011, चेसिस MA3EAA61S01977551, इंजन नं0 F8DN4751599, इस कार्यालय अभिलेखानुसार श्री दिनेश सिंह बोहरा पुत्र श्री राम सिंह बोहरा, निवासी मकान संख्या-316, मोहनपुर, टनकपुर, जिला चम्पावत के नाम पंजीकृत है। दिनांक 30.11.2018 को वाहन स्वामी द्वारा वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु (क्योंकि वाहन चलने योग्य नहीं है) आवेदन किया गया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चैक चालान लम्बित नहीं है। सीनियर फोरमैन (उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर) की आख्यानुसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर, जमा कर लिया गया है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, रश्मि भट्ट, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत), केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 20.12.2018 को वाहन संख्या UK03TA0442 (MOTOR CAB), मॉडल 2011, चेसिस MA3EAA61S01977551, इंजन नं0 F8DN4751599 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

रश्मि भट्ट,
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
टनकपुर (चम्पावत)।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रप्रयाग**आदेश**

31 दिसम्बर, 2018 ई0

पत्रांक 886/पंजीयन निरस्त/2018-19-वाहन संख्या UP18-0106 (PETROL TANKER), मॉडल 1999, चेसिस 359073FQQ113624, इंजन नं0 697D30FQQ118589, इस कार्यालय अभिलेखानुसार श्री आशीष काला पुत्र श्री भगवती प्रसाद काला, अलकनंदा ऑटोमोबाइल्स, रुद्रप्रयाग के नाम पंजीकृत है। दिनांक 04.07.2018 को वाहन स्वामी द्वारा वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु (क्योंकि वाहन चलने योग्य नहीं है) आवेदन किया गया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चैक चालान लम्बित नहीं है। सम्भागीय प्राविधिक निरीक्षक, रुद्रप्रयाग की आख्यानुसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर जमा कर लिया गया है, उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, मोहित कुमार कोठारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रप्रयाग, केन्द्रीय मोटरवाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 31.12.2018 को वाहन संख्या UP18-0106 (PETROL TANKER), मॉडल 1999, चेसिस 359073FQQ113624, इंजन नं0 697D30FQQ118589 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

मोहित कुमार कोठारी,
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,
रुद्रप्रयाग।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), काशीपुर

कार्यालय आदेश

10 जनवरी, 2019 ई0

पत्रांक 51/टी0आर0/कर-पंजीयन/UK18-6292/2019-वाहन संख्या UK18-6292 (कार), मॉडल 2014, चेसिस नं0 MA3EHKD1S00593408 इस कार्यालय में श्री सैयद गुफरान पुत्र श्री सैयद जहीन अहमद, निवासी-सिविल कोर्ट कम्पाउण्ड, काशीपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम दर्ज है, वाहन स्वामी ने दिनांक 13.12.2018 को आवेदन-पत्र के साथ मूल चेसिस प्रस्तुत करते हुए, अवगत कराया है कि उक्त वाहन में आग लगने से मार्ग पर संचालन योग्य न होने के कारण वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, अनिता चन्द, कर पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UK18-6292 (कार) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या MA3EHKD1S00593408 तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी
(प्रशासन), काशीपुर।

आदेश

18 जनवरी, 2019 ई0

संख्या-974/प्रवर्तन/लाइसेन्स/2019-मा0 सर्वोच्च न्यायालय के अधीन गठित सड़क सुरक्षा समिति के सन्दर्भ संख्या 05/2014/सी0ओ0आर0एस0 पार्ट-3, दिनांक 18.08.2015, सन्दर्भ संख्या 05/2014/सी0ओ0आर0एस0-पार्ट-3, दिनांक 17.11.2015 के अनुपालन में मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन करने के विदित अभियोग में वाहनों के चालान कर, वाहन चालकों के लाइसेन्स के विरुद्ध कार्यावाही की संस्तुति की गई है। अतः दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने व जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाइसेन्सिंग अधिकारी, रुद्रप्रयाग के रूप में, मैं, मोहित कुमार कोठारी, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निम्न चालकों के लाइसेन्स तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ:-

क्र० सं०	चालक का नाम व पता	डी०एल० संख्या व वैधता	अभियोग	चालानकर्ता प्रवर्तन अधिकारी	निलम्बन अवधि
1.	श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री गोविन्द सिंह, निवासी सिल्लाबामन गाँव, ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग	UK 1320180001751, VALIDITY (NT)- 10.07.2035	नशे की हालत में वाहन संचालन करना	S.P., RUDRAPRAYAG	18.01.2019 से 17.04.2019
2.	श्री मुकेश शाह पुत्र श्री राम दत्त, ग्राम फाटा, तहसील ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग	UK-1320150007138, VALIDITY (NT)- 31.12.2034	नशे की हालत में वाहन संचालन करना	S.P., RUDRAPRAYAG	18.01.2019 से 17.04.2019

मोहित कुमार कोठारी,

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,

रुद्रप्रयाग।

कार्यालय-अध्यक्ष, वाणिज्य कर अधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून

कार्यभार प्रमाण पत्र

08 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक-वाकअधि०/कार्यभार/व्य०प०/73(11)/07(12)/2019-प्रमाणित किया जाता है कि मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल की अधिसूचना सं० 10/UHC/Admin.A/2019, दिनांक 05.01.2019 के अनुपालन में श्री सिकन्द कुमार त्यागी, एच०जे०एस० का स्थानान्तरण 'जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उत्तरकाशी' के पद पर होने के फलस्वरूप 'अध्यक्ष, वाणिज्य कर अधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून' के पद का अतिरिक्त कार्यभार आज दिनांक 08.01.2019 की पूर्वान्ह में निम्नवत् हस्तान्तरित किया गया।

अवमुक्त अधिकारी,

अवमुक्त अधिकारी,
सिकन्द कुमार त्यागी,
अध्यक्ष,
वाणिज्य कर अधिकरण,
उत्तराखण्ड, देहरादून पीठ।

अवमोचक अधिकारी,
आई० एस० बृजवाल,
सदस्य,
वाणिज्य कर अधिकरण,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

कार्यभार प्रमाण पत्र

10 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक-वाकअधि०/कार्यभार/व्य०प०/74(14)/12(12)/2019-प्रमाणित किया जाता है कि मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल के पत्र/आदेश सं० 342/UHC/XIII-f-7/Admin.A/2004, दिनांक 09.01.2019 तथा उत्तराखण्ड शासन के वित्त अनुभाग-8 की अधिसूचना संख्या 21/2019/07(100)/XXVII(8)/2008, दिनांक 08.01.2019 के अनुपालन में 'अध्यक्ष, वाणिज्य कर अधिकरण, उत्तराखण्ड, देहरादून' के पद का अतिरिक्त कार्यभार आज दिनांक 10.01.2019 की अपरान्ह में ग्रहण किया गया।

अवमुक्त अधिकारी,
आई० एस० बृजवाल,
प्रभारी अध्यक्ष,
वाणिज्य कर अधिकरण,
उत्तराखण्ड, देहरादून पीठ।

अवमोचक अधिकारी,
राजीव कुमार खुल्बे,
अध्यक्ष,
वाणिज्य कर अधिकरण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन, आई०टी० और आधुनिकीकरण,
उत्तराखण्ड, देहरादून

कार्यभार ग्रहण प्रमाण पत्र

21 जनवरी, 2019 ई०

पत्रांक-797/173(...)-प्रमाणित किया जाता है कि उत्तराखण्ड शासन, वन एवं पर्यावरण अनुभाग-1, देहरादून की विज्ञप्ति/पदोन्नति आदेश संख्या-134/X-1-2019-04(02)/2011 टी०सी०, दिनांक 11.01.2019 से की गई पदोन्नति के फलस्वरूप मेरे द्वारा उप निदेशक (सांख्यिकीय), के वेतन मैट्रिक्स के स्तर-11 (वेतनमान ₹ 67,700-2,08,700) के पद का कार्यभार आज दिनांक 11.01.2019 को अपरान्ह में ग्रहण कर लिया गया है।

प्रतिहस्ताक्षरित,
सन्तोष विजय शर्मा,
मुख्य वन संरक्षक,
अनुश्रवण मूल्यांकन, आई०टी०
एवं आधुनिकीकरण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सुशील कुमार लामियान,
उप निदेशक (सांख्यिकीय),
कार्यभार ग्राही अधिकारी।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 16 फरवरी, 2019 ई0 (माघ 27, 1940 शक सम्वत्)

भाग 3

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया

कार्यालय पंचास्थानि चुनावालय, चम्पावत

अधिसूचना

(सूचना)

28 नवम्बर, 2018 ई0

पत्रांक 495/त्रि0पं0/उप निर्वाचन-2018-राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड, देहरादून की अधिसूचना संख्या-1577/रा0नि0आ0अनु0-2/2477/2018, दिनांक 27.11.2018 के क्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, सुरेन्द्र नारायण पाण्डे, जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), चम्पावत एतद्वारा यह निर्देश देता हूँ कि जनपद चम्पावत के त्रिस्तरीय पंचायतों के विभिन्न प्रकार से रिक्त हुए सदस्य ग्राम पंचायत तथा प्रधान ग्राम पंचायत के रिक्त पदों/स्थानों, जो किसी न्यायालय के स्थगन आदेश से बाधित न हों, पर निम्नांकित विनिर्दिष्ट समय-सारणी के अनुसार उप निर्वाचन कराये जायेंगे:-

नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने का दिनांक व समय	नाम निर्देशन पत्रों की जाँच का दिनांक व समय	नाम वापसी हेतु दिनांक व समय	निर्वाचन प्रतीक आवंटन का दिनांक व समय	मतदान का दिनांक व समय	मतगणना का दिनांक व समय
1	2	3	4	5	6
01.12.2018 एवं 03.12.2018 (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक)	04.12.2018 (पूर्वाह्न 10:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक)	05.12.2018 (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक)	05.12.2018 (अपराह्न 01:30 बजे से कार्य की समाप्ति तक)	13.12.2018 (पूर्वाह्न 08:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक)	15.12.2018 (पूर्वाह्न 08:00 बजे से कार्य की समाप्ति तक)

2. सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी द्वारा इस निर्वाचन कार्यक्रम का स्थानीय समाचार-पत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा और सम्बन्धित ग्राम पंचायत में मुनादी द्वारा सर्वसाधारण को इसकी सूचना दी जायेगी। सार्वजनिक जानकारी हेतु ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, तहसील कार्यालय और जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सूचना पट्टों में यह कार्यक्रम प्रकाशित किये जायेंगे।

3. उक्त उप निर्वाचन उत्तराखण्ड पंचायत राज अधिनियम, 2016 की धारा-194 (2) के अधीन रहते हुए, उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त एवं यथासंशोधित), उत्तर प्रदेश पंचायत राज (सदस्यों, प्रधानों और उप-प्रधानों का निर्वाचन) नियमावली, 1994 एवं उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त एवं यथासंशोधित) एवं उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (सदस्यों का निर्वाचन) नियमावली, 1994 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त एवं यथासंशोधित) के अनुसार इन उप निर्वाचनों में वही निर्वाचन-प्रक्रिया अपनाई जायेगी, जो आयोग द्वारा निर्धारित एवं निर्देशित है। सदस्य ग्राम पंचायत एवं प्रधान ग्राम पंचायत के पदों/स्थानों के विषय में नामांकन पत्र दाखिल करने, उनकी जाँच, नाम वापसी तथा निर्वाचन प्रतीक आवंटित करने का कार्य, मतों की गणना एवं परिणाम की घोषणा क्षेत्र पंचायत के मुख्यालय पर की जायेगी।

संलग्नक:-सदस्य ग्राम पंचायत तथा प्रधान ग्राम पंचायत

के रिक्त पदों/स्थानों का विवरण।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2018 हेतु रिक्त पदों/स्थानों का विवरण विकास खण्डवार

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	रिक्त रहे पद/स्थान का नाम	ग्राम पंचायत/क्षेत्र पंचायत का क्रमांक व नाम	प्रा०नि०क्षे० (वार्ड क्रमांक)	आरक्षण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6
1.	बाराकोट	सदस्य, ग्राम पंचायत	काकड़ खतेड़ी	09	अनारक्षित
		प्रधान, ग्राम पंचायत	पम्दा	—	अनारक्षित
2.	चम्पावत	सदस्य, ग्राम पंचायत	पोथ	04	अ०पि०व०म०
			थवालखेड़ा	04	अनारक्षित
			बाजरी कोट	03	अनारक्षित
3.	लोहाघाट	सदस्य, ग्राम पंचायत	कोट	04	अ०जा०म०
			मंगोली	07	अ०जा०म०
4.	पाटी	सदस्य, ग्राम पंचायत	कजीना	05	अनारक्षित
			परेवा	01	अ०पि०व०

सुरेन्द्र नारायण पाण्डे,
जिला मजिस्ट्रेट/
जिला निर्वाचन अधिकारी
(पंचायत), चम्पावत।

निदेशालय पंचायतीराज, उत्तराखण्ड, देहरादून

11 फरवरी, 2019 ई०

संख्या 451/933/जि०प०अ०को०/2018-19-जिला पंचायत हरिद्वार द्वारा उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम, 2016 (अधिनियम सं०-11, वर्ष 2016) के भाग-4 की धारा 106 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में दुकान करने वाले व्यवसायियों को विनियमित करने हेतु वर्ष, 2005 में शासकीय विज्ञप्ति सं०-1232/23-5(5)(2004-05) द्वारा निर्मित दुकानात लाइसेंस की उपविधियों में आंशिक संशोधित उपविधियाँ बनाई गई हैं।

अतएव, अधिनियम की धारा-149(ग)(4) की अपेक्षानुसार निदेशक, पंचायतीराज उत्तराखण्ड, देहरादून उक्त उपविधियों की शासकीय गजट में प्रकाशनार्थ पुष्टि करते हैं। यह उपविधियाँ उत्तराखण्ड के शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगी।

जिला पंचायत, हरिद्वार द्वारा उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्या-11, वर्ष 2016) के भाग-4 की धारा-106 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों के अन्तर्गत पूर्व से संचालित दुकानात लाइसेन्स उपविधियों को रद्द करते हुए जिला पंचायत, हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में दुकान करने वाले व्यवसायियों को विनियमित करने हेतु दुकानात लाइसेन्स सम्बन्धी निम्नलिखित उपविधियाँ बनाई गई हैं। जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह लिखित आपत्ति 30 दिन के अन्दर कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

1. कोई भी व्यक्ति हरिद्वार जिले के ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी प्रकार की चाय की दुकान, फेरी की दुकान, सोडा वाटर की दुकान, मिठाई, घी, पूरी, दूध, रोटी, बिस्कुट, होटल या अन्य पदार्थ जो जनसाधारण के खाने के प्रयोग में आते हों तथा अन्य प्रकार के कार्य जैसे किराए पर चलने वाले घोड़ा, बुग्गी, रिक्शा, ताँगा आदि तथा अन्य किसी भी प्रकार की व्यवसाय की दुकान का कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में तब तक नहीं कर सकते, जब तक कि उस व्यक्ति द्वारा जिला पंचायत को निर्धारित लाइसेन्स शुल्क जमा करके लाइसेन्स न प्राप्त कर लिया हो।
- 2(अ) कोई व्यक्ति खाद्य पदार्थ बनाने हेतु या रखने में ऐसे धातु के बर्तन का इस्तेमाल नहीं करेगा, जो खाद्य पदार्थ को किसी भी प्रकार से निवृत्त या दूषित करते हो या जिन पर जमाया या रखा हुआ पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो।
 - (ब) कोई व्यक्ति जो किसी भी प्रकार की छूत की बीमारी से पीड़ित हो न तो स्वयं उपविधियों में वर्णित कोई दुकान या व्यवसाय कर सकता है और न ही ऐसे किसी रोगी को व्यवसाय में नौकर या सहायक के रूप में रख सकता है।
 - (स) खाद्य पदार्थों की बिक्री के लिए रखे गए बर्तन पूर्णतः ढक कर रखे जायेंगे, जिससे उन पर धूल के कण या कोई हानिकारक जीव न बैठने पाये तथा उसमें अन्य हानिकारक वस्तु मिलने की सम्भावना न हो।
 - (द) प्रत्येक लाइसेन्सधारकों को अपनी दुकान के सामने साइन बोर्ड लगाना पड़ेगा, जिस पर दुकान का नाम तथा व्यवसाय स्पष्ट लिखा होगा।
 - (ध) ग्रामीण क्षेत्र में किराये पर चलने वाले घोड़ा, बुग्गी, रिक्शा, ताँगा आदि तब तक नहीं चला सकते जब तक कि उनके द्वारा जिला पंचायत से विधिवत् लाइसेन्स (टोकन) न प्राप्त कर लिया हो।
3. उपविधि में वर्णित व्यवसाय करने वाले ऐसे व्यवसायकर्ता जो इन उपविधियों के स्वीकृत होने के दिनांक से पूर्व उक्त स्थान पर कोई भी व्यवसायकर्ता हो तो स्वीकृति दिनांक से एक माह के अन्दर लाइसेन्स लेना अनिवार्य होगा।
4. इन उपविधियों के अधीन अपर मुख्य अधिकारी/कार्य अधिकारी, जिला पंचायत या उनके द्वारा अधिकृत पंचायत का कोई अन्य अधिकारी लाइसेन्स अधिकारी होगा।
 - (अ) लाइसेन्स शुल्क की उगाही जिला पंचायत के कर्मचारियों द्वारा या ठेकेदार द्वारा की जायेगी।

- (ब) लाइसेन्स की अवधि 01 अप्रैल से 31 मार्च होगी। जिला पंचायत उक्त कार्य को एक वर्ष अथवा तीन वित्तीय वर्ष हेतु सार्वजनिक नीलामी द्वारा ठेकेदार के माध्यम से ठेके पर देकर वसूली करा सकती है। ठेके की अवधि को बढ़ाया जाना अथवा घटाया जाना अपर मुख्य अधिकारी की संस्तुति पर अध्यक्ष, जिला पंचायत, हरिद्वार के विवेक पर होगा। नीलामी की स्वीकृति का अधिकार अध्यक्ष, जिला पंचायत में निहित होगा।
5. लाइसेन्स प्राप्तकर्ता द्वारा किसी उपविधि या लाइसेन्स के किसी शर्त के उल्लंघन करने पर अपर मुख्य अधिकारी/कार्य अधिकारी, जिला पंचायत को किसी भी लाइसेन्स को स्थगित अथवा निरस्त करने का अधिकार होगा। प्रतिबन्ध यह है कि वह व्यक्ति ऐसे आदेश के दिनांक से 30 दिन के भीतर अध्यक्ष, जिला पंचायत को अपील प्रस्तुत कर सकेगा, अध्यक्ष, जिला पंचायत का निर्णय अन्तिम होगा।
6. अध्यक्ष, अपर मुख्य अधिकारी, कार्य अधिकारी, जिला पंचायत, हरिद्वार का कोई कर्मचारी, जिसे अध्यक्ष द्वारा तदर्थ प्राधिकृत किया गया हो, जिला स्वास्थ्य अधिकारी अथवा स्वास्थ्य विभाग का कोई अन्य अधिकारी, जो स्वास्थ्य निरीक्षक से कम दर्जे का न हो, किसी भी उचित समय पर किसी भी दुकान पर रखे गये खाद्य पदार्थ या अन्य बिक्री योग्य सामग्री का निरीक्षण कर सकते हैं और उन्हें अधिकार होगा कि वह ऐसे सामान को नष्ट कर दे, जो जनसाधारण के उपयोग योग्य न रह गया हो अथवा जिसके शीघ्र खराब हो जाने की सम्भावना हो।
7. लाइसेन्स की अवधि एक वर्ष की होगी, जो 01 अप्रैल से आगामी वर्ष के 31 मार्च तक के लिए होगी। प्रत्येक लाइसेन्सधारी/व्यवसायकर्ता का स्वयं का दायित्व होगा कि वह 30 अप्रैल तक लाइसेन्स का नवीनीकरण करा ले, नवीनीकरण न कराने के दशा में न्यायालय में चालान किया जायेगा, जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व लाइसेन्सधारी/व्यवसायकर्ता का होगा।
8. व्यवसायकर्ता को निम्नलिखित लाइसेन्स शुल्क जमा करना होगा:-

क्र० सं०	नाम व्यवसाय	दर ₹ प्रति वर्ष
1	2	3
1.	कपड़े की दुकान	200
2.	परचून की दुकान	200
3.	किराना की दुकान	200
4.	सोने-चाँदी की बड़ी दुकान	500
5.	सोने-चाँदी के आभूषण बनाने की दुकान	300
6.	मेडिकल स्टोर (छोटी दुकान)	250
7.	मेडिकल स्टोर (बड़ी दुकान)	500
8.	साइकिल मरम्मत की दुकान	100
9.	हलवाई, बुरा, बताशे बनाने की दुकान	200
10.	पुस्तक, कॉपी इत्यादि की दुकान	150
11.	लोहे की बड़ी दुकान	500
12.	लोहे की छोटी दुकान	300
13.	पान, बीड़ी, सिगरेट का खोखा	100
14.	चाय, मिठाई की दुकान	200

1	2	3
15.	शर्बत, लस्सी, सोडा वाटर की दुकान	200
16.	घी की दुकान	200
17.	इमारती लकड़ी की दुकान	500
18.	जलाने की लकड़ी की दुकान	300
19.	कोयले की दुकान	300
20.	फेरी	150
21.	बर्तन की दुकान	300
22.	प्लास्टिक के सामान की दुकान	300
23.	मावे की दुकान	300
24.	फर्नीचर की दुकान	500
25.	दूध, क्रीम, मक्खन आदि की दुकान	200
26.	खाद की दुकान व रासायनिक दवाई	500
27.	सीमेन्ट की दुकान	500
28.	इंजन पार्ट्स, ट्रैक्टर पार्ट्स, मोटर साइकिल पार्ट्स	500
29.	स्कूटर, मोटर साइकिल ट्रैक्टर मरम्मत की दुकान	200
30.	जूतों की दुकान	200
31.	सिलाई की दुकान	150
32.	घड़ी साज की दुकान	150
33.	नाई की दुकान	100
34.	रेडियो मरम्मत की दुकान	150
35.	फल या सब्जी की दुकान	200
36.	कम्प्यूटर सेन्टर	500
37.	कम्प्यूटर ट्रेनिंग	500
38.	कम्प्यूटराइज लैब	500
39.	फोटोस्टेट	200
40.	एसडी0डी0, पी0सी0ओ0	150
41.	कम्प्यूटर इनफॉर्मेशन सेन्टर	200
42.	वी0सी0आर0, सी0डी0 प्लेयर आदि	200
43.	सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान	250
44.	हार्डवेयर की दुकान	250
45.	कबाड़ी की दुकान	200
46.	ब्यूटीपीअलर या बूटिक सेन्टर	200
47.	डाक्टर की दुकान	250
48.	डी0जे0 की दुकान	200
49.	सेटरिंग या टेन्ट हाऊस की दुकान	250

1	2	3
50.	सेनेट्री या मार्बल्स पत्थर की दुकान	300
51.	मोबाइल कम्यूनिकेशन	250
52.	खल-चौकर की दुकान	200
53.	जनरल स्टोर या रेडिमेट गारमेन्ट्स	200
54.	फोटोस्टूडियो	200
55.	बैंग की दुकान	200
56.	क्राकरी की दुकान	200
57.	चश्में की दुकान	200
58.	बिजली की दुकान	200
59.	ट्रांसपोर्ट कं0 या बहती सेंटर	200
60.	साइकिल रिपेयरिंग या लोहार की दुकान	150
61.	ढाबा	300
62.	रंग/पेन्ट्स की दुकान	200
63.	टायर की दुकान	250
64.	घोड़ा, बुग्गी, रिक्शा, तांगा आदि	100
65.	अन्य व्यवसाय	250

दण्ड

उत्तराखण्ड पंचायती राज अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्या-11, वर्ष 2016) की धारा-147 व 149 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यह हिदायत दी जाती है कि कोई व्यक्ति इस नियम/उपविधि का उल्लंघन करता है तो जुर्माना जो ₹ 1,000/- तक हो सकता है अथवा जैसा विहित किया जाये, दण्डनीय होगा और ऐसा उल्लंघन जारी रहता है तो वह एक ऐसे और जुर्माने से जो प्रथम बार दोष सिद्ध के पश्चात् प्रत्येक दिन के लिए, जिसके दौरान अपराधी द्वारा अपराध का निरन्तर किया जाना सिद्ध हो ₹ 100/- तक हो सकता है अथवा जैसा विहित किया जाये, दण्डनीय होगा।

राजीव कुमार नाथ त्रिपाठी,

अपर मुख्य अधिकारी,

जिला पंचायत, हरिद्वार।

श्रीमती सविता चौधरी,

अध्यक्ष,

जिला पंचायत, हरिद्वार।

हरिचन्द्र सेमवाल,

निदेशक।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 07 हिन्दी गजट/83-भाग 3-2019 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।